'तोप'

प्रत्येक 1 अंक तथा 2 अंक

प्र० ① कविता में जिस तोप का ज़िक्र किया गया है उसकी देखरेख किस तरह किया जाता है?

उ० – प्रस्तुत कविता में जिस तोप का ज़िक्र किया गया है उस तोप का देख-रेख कंपनी बाग की तरह किया जाता है।

प्र० 2 – कंपनी बाग में रखी तोप किस काम आई थी? तोप ने स्वयं को जबर क्यों बताया?

उ० – कंपनी बाग में रखी तोप का प्रयोग क्रांति में अंग्रेजों ने भारतीयों के खिलाफ किया था। और 1857 के विद्रोह को कुचल डाला था। तोप को देखकर ऐसा लगता है कि वह अपने आप को 'ज़बर' कहती है। वह बताती है कि वह उस समय जबरदस्त थी, इसने 1857 के संग्राम में अनेक क्रांतिकारियों की धज्जियाँ उड़ा डाली थीं।

प्र० 3 – हमें विरासत में कौन-सी चीज मिली है?

उ० – तोप

प्र० 4 – तोप की सम्हाल कैसे की जाती है?

उ० – इसे वर्ष में दो बार चमकाया जाता है।

प्र० 5 – तोप ने किन सूरमाओं के धज्जे उड़ा दिये थे?

उ० – जिन्होने अंग्रेजों के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया था।

प्र० 6 – '1857 की तोप' से कवि किस घटना की ओर संकेत करना चाहता है?

उ० → 'सन् 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम'।

प्र०7- अब यह तोप किस-किस काम आती है?
उ० - आजकल यह तोप पर्यटकों को 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की याद दिलाती है। यह उन्हें भारत की गुलामी के दिनों की याद कराती है। कंपनी बाग में रखी तोप पर बच्चे घुड़सवारी करते हैं; चिड़िया गपशप करती हैं। वह कभी-कभी खास तौर पर गौरैया शरारत करते हुए इस तोप के मुँह में घुस जाती हैं।

प्र०8- आखिरकार तोप का मुँह एक दिन बंद क्यों हो जाता है?
उ० - तोप से किसी समस्या का समाधान नहीं निकल पाता। तोप से कुछ समय तक कुछ विनाश किया जा सकता है। कुछ लोगों को डराया, धमकाया और मारा जा सकता है किंतु उससे कोई समाधान नहीं निकलता। तोपों का विरोध करने वाले और पैदा हो जाते हैं। विद्रोह और अधिक भड़कता है। अंतिम समाधान तो बातचीत से ही निकलता है। हथियार और शक्ति प्रदर्शन एक न एक दिन हार मानकर चुप हो जाते हैं।

प्र० 9- 'बहरहाल' शब्द का क्या अर्थ है?
उ० - फिलहाल।

प्र०10,- 'फ़ारिग' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में लिया गया है?
उ० - मुक्त, खाली।

प्र०11- चिड़ियाँ तोप पर बैठ कर क्या करती हैं?
उ० - चिड़ियाँ तोप पर बैठकर गपशप करती हैं।

प्र०12- कभी-कभी शैतानी में गौरैया करती हैं?
उ० - तोप भीतर घुस जाती हैं।

प्र०13- गौरैये तोप के संबंध क्या बताने का प्रयास करती हैं?

उ० – तोप चाहे भी बड़ी विकराल हो, एक न एक दिन वह प्रदर्शन की वस्तु बन जाती है।

प्रत्येक – 3 अंक –

प्र० 14 – विरासत में मिली चीजों की बड़ी सँभाल होती है क्यों? स्पष्ट कीजिए।

उ० – विरासत में मिली चीजों की सँभाल इसलिए की जाती है क्योंकि वे हमारे पूर्वजों व बीते समय की देन होती हैं। उन चीज़ों से हमें प्राचीन इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है। ये हमारे पूर्वजों की धरोहर है और इनकी रक्षा का भार हम पर होता है। धरोहर हमें हमारी संस्कृति व इतिहास से जोड़ती है। ये हमारे पूर्वजों, परंपराओं, उपलब्धियों आदि से परिचय कराती है। इन्हीं के माध्यम से हम पुरानी पीढ़ियों से जुड़े रहते हैं। हम उन्हें इसलिए भी सँभालकर रखते हैं ताकि हमारे बाद आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का आधार मजबूत बन सके।

प्र० 15 – इस कविता से आपको तोप के विषय में क्या जानकारी मिलती है?

उ० – यह कविता हमें कंपनी बाग में रखी तोप के विषय में बताती है कि यह तोप सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के समय सेना द्वारा प्रयोग की गई थी। इस तोप ने अपने गोलों से असंख्य शूरवीरों को मार डाला था। यह तोप बड़ी ताकतवर थी परंतु अब यह प्रदर्शन की वस्तु बनकर रह गई है। अब इससे कोई नहीं डरता। इस पर बच्चे घुड़सवारी करते हैं। चिड़ियाँ, गौरैये इसके भीतर घुस जाती हैं। यह तोप हमें बताती है कि कोई कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, एक-न-एक दिन उसे धराशायी होना ही पड़ता है।

प्र० 16 – कंपनी बाग में रखी तोप हमें क्या सीख देती है?

उ० – कंपनी के बाग में रखी तोप हमें यह सीख देती है कि अत्याचारी शक्ति चाहे कितनी

भी बड़ी क्यों न हो, पर उसका अंत अवश्य होता है। मानव शक्ति सबसे प्रबल होती है और वही विजयी होकर रहती है। यह हमें अतीत से प्रेरणा लेकर भविष्य को सँवारने का संदेश देती है। हमें याद रखना होगा कि भविष्य में कोई हमारे देश में पाँव न जमाने पाए और यहाँ फिर वह तांडव न मचे, जिसके घाव अभी तक हमारे दिलों में हरे हैं। कवि हमें यह बताना चाहता है कि कोई कितना भी बलवान और शक्तिशाली क्यों न हो, एक निश्चित अवधि के बाद उसकी उपयोगिता समाप्त हो जाती है अर्थात उसका अंत अवश्य होता है।

प्र०17 — कविता में तोप के दो बार चमकाने की बात कही गई है। ये दो अवसर कौन-से होंगे?

उ०— ये दो अवसर होंगे —

- 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस)
- 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस)

ये दोनो तिथियाँ हमारे देश के लिए ऐतिहासिक दिवस की प्रतीक हैं। इन्हें हम राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाते हैं। देश इसी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व का हिस्सा बनता है। इन्हीं दोनो तिथियों पर इस तोप को चमकाया जाता है क्योंकि यह तोप हमारे विजेता और आज़ादी की प्रतीक होने के कारण एक राष्ट्रीय महत्व की वस्तु बन चुकी है, इसलिए राष्ट्रीय महत्व को ध्यान में रखते हुए इस तोप को चमकाया जाता है ताकि लोगों के मन में राष्ट्रीयता की ~~की~~ भावना को बढ़ावा मिले और लोगों को स्वतंत्रता दिलाने वाले वीरों की याद दिलाई जा सके।

प्र०18 — क्या भारतीय ~~क~~ अपने धरोहरों का ध्यान रखते हैं? कविता के आधार पर बताइए।

उ०— प्रत्येक देश में अपनी सांस्कृतिक धरोहरों का बड़ा ध्यान रखना चाहिए। इस कविता में प्राचीन तोप के माध्यम से यह पता चलता है कि

भारतीय अपनी कुछ धरोहरों की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे हैं। तोप को साल में मात्र दो बार चमकाया जाता है। अन्य दिनों में उस पर बच्चे घुड़सवारी करते हैं। चिड़िया उसके भीतर घुस जाती हैं।

प्र० -19- गोले-बारूद छोड़ने वाली तोप अब किस काम आती है?

उ०- अंग्रेजों के विरुद्ध में भारतीयों का विरोध करते हुए इस तोप ने हजारों वीरों को गहरी नींद सुला दिया, लेकिन आजकल तो यह बच्चों की घुड़सवारी के काम आती है। चिड़ियाँ इसपर बैठकर गपशप करती हैं और कभी-कभी चिड़ियाँ या गौरैयाँ इसके मुँह के भीतर भी घुस जाती हैं।

प्र०20- कवि ने शरारती बच्चों और पक्षियों के चित्र क्यों प्रस्तुत किए हैं?

उ०- कवि ने शरारती बच्चों और पक्षियों के चित्र विशेष प्रयोजन हेतु प्रस्तुत किए हैं। बच्चों का तोप पर चढ़कर घुड़सवारी करना तोप को अपना खिलौना मानना है। पक्षियों का तोप पर बैठकर गपशप करना और तोप के मुँह में घुस जाना इस बात का परिचायक है कि अब तोप का कोई डर नहीं रहा। मानव ने सिद्ध कर दिया है कि ये तोपें मनुष्य का कुछ नहीं बिगाड़ सकतीं। हथियारों से मानवों को दबाया नहीं जा सकता।